http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 21

प्रयागराज शनिवार 05 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक है: मोदी

मिर्जापुर हादसे में 10 लोगों की मौत पर पीएम मोदी ने जताया शोक, कहा- यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक है

मिर्जापुर ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक सड़क हादसे में लोगों की मौत को अत्यंत पीड़ादायक बताया और कहा कि राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। मिर्जापुर जिले में देर रात एक ट्रक और ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना देर रात करीब एक बजे मिर्जापुर–वाराणसी सीमा पर कछवां और मिर्जामुराद के बीच जीटी रोड पर हुई। यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक है: मोदी पीएम मोदी ने श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, "उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उन्होंने कहा, " ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है।श हादसे में घायल तीनों की हालत गंभीर बताया जा रहा है कि प्रयागराज–वाराणसी राजमार्ग पर कटका गांव के पास बीती रात करीब एक बजे यह हादसा उस समय हुआ जब श्रमिकों से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दस युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को वाराणसी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां तीनों की हालत गंभीर बताई गई। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात लगभग एक बजे भदोही जिले तिउरी गांव से एक मकान के छत की ढलाई कर कुछ श्रमिक अपने घर वाराणसी की ओर ट्रैक्टर पर सवार होकर लौट रहे थे कि कछवा थाना क्षेत्र में प्रयागराज वाराणसी हाईवे पर औराई की आ रही एक अनियंत्रित ट्रक के बीच टक्कर हो गई। गुस्साई भीड़ ने लगाया जाम इस हादसे में मिर्जामुराद के सिंहपुर गांव निवासी भानू (25),विकास (30),बीरबलपुर गांव के अनिल (35), सूरज कुमार (22),सनोहर (25), राकेश कुमार (25), नितिन (22), रोशन कुमार (25), प्रेम कुमार (40) और राहुल कुमार (26) की घटना स्थल पर हो गई है।

जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं

सभी को दिया मदद का भरोसा

हॉस्पिटल में भर्ती कराकर एस्टीमेट मंगाइए, इलाज का खर्च सरकार देगी: सीएम योगी

गोरखपुर,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए लोगों को आश्वस्त किया कि जिन जरूरतमंद लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उनके इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए लोगों को आश्वस्त किया कि जिन जरूरतमंद लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उनके इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। इसके लिए अस्पताल से इलाज खर्च का इस्टीमेट बनाकर उनके कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए। विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद की जाएगी। शारदीय नवरात्र के पहले दिन, गुरुवार दोपहर बाद गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात की। एक–एक करके उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। सभी लोगों की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। हर बार की भांति शुक्रवार सुबह के जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता संबंधी प्रार्थना पत्र लेकर आए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबको मदद का भरोसा दिया। इस दौरान एक महिला की समस्या जानते ही उन्होंने अफसरों से कहा कि उक्त महिला को हॉस्पिटल में भर्ती कराकर इलाज का इस्टीमेट मंगाइए। पैसा सरकार देगी। सीएम ने लोगों से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें ताकि इलाज के लिए किसी को परेशान न होना पड़े। जनता दर्शन में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए।

गोसेवा में वक्त बिताया मुख्यमंत्री ने

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान पारंपरिक दिनचर्या में शुक्रवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने गोसेवा में कुछ व्यतीत किया। सीएम योगी ने गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

सुप्रीम लीडर खामनेई का ऐतिहासिक भाषण, मुस्लिम देशों से एकजुटता की अपील

तेहरान,(एजेंसी)। तेहरान की ग्रैंड मस्जिद से दिए गए इस भाषण में खामनेई ने मुस्लिमों से एकजुटता की अपील की। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई ने शुक्रवार को तेहरान में जुमे की नमाज के बाद मौजूद लोगों की भीड़ को संबोधित किया। तेहरान की ग्रैंड मस्जिद से दिए गए इस भाषण में खामनेई ने मुस्लिमों से एकजुटता की अपील की। तेहरान में स्थित ग्रैंड मस्जिद में हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्ला और ईरान के जनरल अब्बास निलफोरशान की याद में दुआ का आयोजन किया गया। इसके बाद जुमे की नमाज हुई, जिसका नेतृत्व ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई ने किया। इस दौरान खामनेई के भाषण को देश के नाम संबोधन कहा जा सकता है। जिसमें खामनेई ने इस्राइल पर तीखा हमला बोला। अपने संबोधन में खामनेई ने कहा कि श्अगर सभी मुस्लिम एकजुट हो जाएं तो इससे सभी दुश्मनों की हार होगी। दुश्मनों का अहंकार मुस्लिमों के बीच बंटवारे और मतभेदों को दर्शाता है।श खामनेई ने कहा कि श्हर देश को अपनी जमीन और अपने हितों की सुरक्षा करने का अधिकार है।

युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है कांग्रेस: अमित शाह

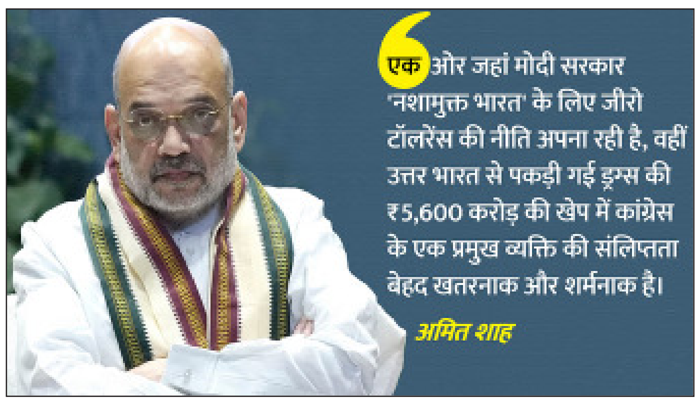

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि ड्रग कारोबार से जुड़े 5,600 करोड़ रुपये की जब्ती के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी को भारतीय युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के सूचना का अधिकार (आरटीआई) प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले पुलिस ने भी बताया था कि मुख्य आरोपी के एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेताओं के साथ कथित संबंध होने का पता चला है। दिल्ली से जब्त ड्रग्स को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां मोदी सरकार श्नशामुक्त भारतश के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की घ्5,600 करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को आरोप लगाया कि ड्रग कारोबार से जुड़े 5,600 करोड़ रुपये की जब्ती के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी को भारतीय युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के सूचना का अधिकार (आरटीआई) प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले पुलिस ने भी बताया था कि मुख्य आरोपी के एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेताओं के साथ कथित संबंध होने का पता चला है। भारत और विदेश के करीब एक दर्जन लोग पश्चिम एशिया के देशों से भारत में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी के अंतरराष्ट्रीय गिरोह में कथित रूप से संलिप्त थे। इसे लेकर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के शासन में ड्रग्स से पंजाब, हरियाणा और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जो हाल हुआ, वह सभी ने देखा है। मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, तो वहीं कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। कांग्रेस नेता द्वारा अपने राजनीतिक रसूख से युवाओं को ड्रग्स के दलदल में झोंकने का जो पाप किया जाना था, उन इरादों को मोदी सरकार कभी पूरा नहीं होने देगी। हमारी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर श्नशामुक्त भारतश बनाने के लिए संकल्पित है। क्या है मामला? पुलिस ने बुधवार को दक्षिण दिल्ली के महिपालपुर में एक गोदाम से 560 किलोग्राम से अधिक कोकीन और 40 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक मारिजुआना' जब्त किया था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 5,620 करोड़ रुपये आंकी गई थी। मामले में विशेष शाखा ने चार लोगों दिल्ली निवासी तुषार गोयल (40), हिमांशु कुमार (27) और औरंगजेब सिद्दीकी (23) तथा मुंबई निवासी भरत कुमार जैन (48) को गिरफ्तार किया था।

अमेठी हत्याकांड: राहुल गांधी ने मृतक के पिता से फोन पर की बात, दोषियों को सजा दिलाने का दिया भरोसा

अमेठी,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेठी में हुए हत्याकांड में मृतक शिक्षक के पिता से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने की भी बात कही। अमेठी में शिक्षक व उसकी पत्नी व बच्चों की हत्या किए जाने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मृतक शिक्षक सुनील कुमार के पिता रामगोपाल से फोन पर बात की और दोषियों को सजा दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने पीड़ित परिजनों की हरसंभव सहायता करने और उन्हें मुआवजा दिलाने का भी आश्वासन दिया। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने रामगोपाल की राहुल गांधी के से बात कराई। इसके पहले किशोरी लाल शर्मा मृतक के परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया। रायबरेलीरू पुलिस के खिलाफ हुई नारेबाजी रायबरेली के सुदामापुर गांव में शिक्षक सुनील, उसकी पत्नी पूनम और दो मासूम बच्चों के शव कफन में लिपटकर गांव पहुंचे तो देखने वाले हर शख्स की आंख रो पड़ी। आंसुओं के सैलाब के साथ चीत्कारों ने नियति को दुहाई दी। पिता राम गोपाल और मां राजवती तो इस तरह बिलख रहे थे कि उनकी यह दशा देखकर लोगों का मन मस्तिष्क तक डिग गया।

अश्विनी वैष्णव ने नासिक में 40वीं आरपीएफ की स्थापना में भाग ली

नासिक। केंद्रीय रेल सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को नासिक स्थित आरपीएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की 40वीं स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने 33 आरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया, जिन्हें 2023 और 2024 के दौरान यात्रियों की जान बचाने में उनके साहसी प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित पुलिस पदक और जीवन रक्षा पदक प्रदान किए गए। ये पुरस्कार देश के रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा में आरपीएफ की अनुकरणीय सेवा को दर्शाते हैं और बल के अन्य सदस्यों को नए जोश के साथ अपने समर्पित प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने सुरक्षा उपायों को बढ़ाने में आधुनिक तकनीक को सक्रिय रूप से अपनाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरपीएफ को अपने कर्मियों की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए बुलेटप्रूफ जैकेट और बेहतर हेलमेट सहित आधुनिक सुरक्षात्मक गियर से लैस किया जाएगा। इसके अलावा, मंत्री ने महिला कर्मियों के लिए सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ आरपीएफ के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों के उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए घ्35 करोड़ के अनुदान की घोषणा की। तमिलनाडु में आरपीएफ डॉग स्क्वॉड के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र तैयार करने के उद्देश्य से घ्5.5 करोड़ का अतिरिक्त अनुदान स्वीकृत किया गया, जिसका उद्देश्य विशेष प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। केंद्रीय मंत्री ने अनुशासन और प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन के रूप में आरपीएफ परेड के दौरान औपचारिक सलामी भी ली। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में, श्री वैष्णव ने श्संज्ञानश मोबाइल एप्लिकेशन का हिंदी संस्करण लॉन्च किया, जिससे बल के भीतर संचार को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने तीन नए अधिनियमित आपराधिक कानूनों पर संदर्भ पुस्तकों के हिंदी संस्करण भी जारी किए, जिनका उद्देश्य आरपीएफ कर्मियों के कानूनी ज्ञान को मजबूत करना है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री वैष्णव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया, जो भारतीय रेलवे के व्यापक परिवर्तन में मार्गदर्शक और प्रेरक शक्ति रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 5300 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं और पिछले 10 वर्षों में 31,000 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान 40,000 किलोमीटर लाइनों का विद्युतीकरण किया गया है, जो पिछले 60 वर्षों में किए गए कार्यों से दोगुना है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रेलवे का लक्ष्य वंदे भारत और अमृत भारत जैसी नए युग की ट्रेनों के माध्यम से अच्छी, आरामदायक, तेज और सस्ती यात्रा प्रदान करना है, साथ ही देश के सभी लोगों के लिए सुरक्षित यात्रा अनुभव के लिए कवच जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की सुविधा के लिए वर्तमान में लगभग 12,500 सामान्य श्रेणी के डिब्बे बनाए जा रहे हैं। 40वें स्थापना दिवस परेड के अवसर पर आरपीएफ के महानिदेशक श्री मनोज यादव, मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीना, भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और मध्य रेल के मुख्यालय एवं मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आरपीएफ स्थापना दिवस परेड आरपीएफ के सदस्यों और उनके परिवारों द्वारा मनाई जाती है। यह दिन जनता की भलाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और उनकी खुशियां साझा करने का दिन है। आरपीएफ को न केवल रेलवे संपत्ति, बल्कि यात्रियों और यात्री क्षेत्रों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह एक करुणा पूर्ण बल के रूप में उभरा है क्योंकि यह रेलवे के संपर्क में आने वाली महिलाओं, बच्चों, बीमारों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले अन्य लोगों की मदद करता रहा है। यह बल रेल यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है। यह परिवहन सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर, आतंकवादी कृत्यों के खिलाफ निवारक कार्रवाई करके, मानव तस्करी और तस्करी से जुड़े अपराधों से लड़कर, अपराध का पता लगाने में पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद करके, कानून और व्यवस्था बनाए रखने में सहायता करके, राष्ट्रीय और राज्य चुनावों के दौरान बंदोबस्त करके राष्ट्रीय सुरक्षा ग्रिड में एक महत्वपूर्ण हितधारक बन गया है। रेलवे सुरक्षा बल ने "सेवा ही संकल्प" के उद्देश्य को साकार करने के लिए अत्यंत समर्पण, ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ राष्ट्र और उसके नागरिकों की सेवा के लिए खुद को समर्पित किया है और अपने आदर्श वाक्य – ष्यशो लाभस्वष के लिए काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

प्रयागराज,शनिवार 05 अक्टूबर 2024

सम्पादकीय

ईरान-इजरायल युद्धः खतरे में शांति

मध्य पूर्व एशिया में एक बड़े युद्ध के बादल फिर गहराने लगे हैं जब ईरान ने इजरायल पर बहुत बड़ा हमला बोल दिया है। बताया गया है कि ईरान ने आधे घंटे के भीतर एक के बाद एक करीब 200 बैलेस्टिक मिसाइलें इजरायल पर बरसाईं। हमलावर देश का यह दावा है कि 90 फीसदी मिसाइलें निशानों पर सटीक गिरी हैं। अप्रैल में ईरान द्वारा इजरायल पर किये गये हमले की तरह यह भी एक बड़ा आक्रमण बताया जाता है। इजरायल ने जल्दी ही इसका बदला लेने की धमकी देते हुए कहा है कि वह ईरान का हाल गजा की तरह कर देगा। उसने इसे ईरान की एक बड़ी गलती बतलाते हुए कहा है कि उसकी सेना बड़ा जवाब देने के लिये तैयार है। इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि शईरान ने कोई सबक नहीं सीखा है। वह भूल गया है कि जो इजरायल पर हमला करता है उसे भारी कीमत चुकानी पड़ती है। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने प्रशासन की एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। बाइडेन की नेतन्याहू से बात होगी। हालांकि ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि वह दखलंदाजी न करे। युद्ध और माहौल की उग्रता को देखते हुए प्रतीत हो रहा है कि पूरे इलाके की शांति के लिये बड़ा खतरा सामने है। विश्व बिरादरी को इस क्षेत्र में शांति बहाली के लिये तत्काल कदम उठाने होंगे वरना युद्ध बड़ा रूप ले सकता है। ईरान ऐसे वक्त में लड़ाई में कूदा है जब इजरायल पहले से ही लेबनान के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। अन्य पड़ोसी मुल्क खासकर, मिस्र, इराक आदि लड़ाई में उतर आते हैं तो स्थिति विकट हो जायेगी। अब तक इन मिसाइलों से बड़ी हानि की सूचना नहीं है पर बताया जाता है कि इससे वेस्ट बैंक में एक फिलीस्तीनी की मौत हो गयी है। सम्भवतरू ईरान के हमले का आशय चेतावनी देना मात्र हो सकता है। अन्य देशों की आलोचना से बचने के लिये उसने नागरिकों पर ये हमले नहीं किये होंगे। फिर भी कहा नहीं जा सकता कि वहां नागरिक कितने सुरक्षित हैं। हो सकता है कि ईरान के अगले निशाने इजरायल के रिहायशी क्षेत्र हों या यह भी हो सकता है कि अभी नुकसान की जानकारी सामने न आई हो। ईरान की इस्लामिक रिव्यॉल्यूशनरी गार्ड ऑफ कॉर्प्स (आईआरजीसी) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ये हमले हमास के चीफ इस्माइल हानिया, हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और आईआरजीसी के कमांडर अब्बास निलफोरोशान की मौत का बदला लेने के लिये किये गये हैं। उसके अनुसार इजरायल के तीन सैन्य ठिकानों पर भी हमले किये गये हैं। हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। याद हो कि इसी साल अप्रैल में ईरान ने इजरायल पर एक बड़ा हमला किया था। उसके बाद जिसे शांति समझा जा रहा था दरअसल वह ईरान द्वारा इस हमले की तैयारी का दौर था। पिछले कुछ समय के अंतराल के बाद इजरायल मौजूदा दौर में अपने पड़ोसी मुल्कों से इतने बड़े हमले झेल रहा है और वह रक्षात्मक मोड में दिखाई दे रहा है। गजा में उसके द्वारा किये गये भीषण हमलों में जो तबाही हुई थी उसके कारण अनेक देशों में उसके खिलाफ माहौल बना है। जिस प्रकार से उसने अस्पतालों (खासकर बच्चों के) पर हमले किये, उसके चलते दुनिया भर की सहानुभूति फिलीस्तीन के प्रति बढ़ी है। उन देशों के नागरिक भी अपने ही देशों की सरकारों की आलोचना करते हुए इजरायल को सैन्य मदद देना बन्द करने की मांग कर रहे हैं। इजरायल के चारों ओर के देश उसके खिलाफ निर्णायक जंग के मूड में दिख रहे हैं जो बड़ी लड़ाई का संकेत दे रहे हैं। पश्चिमी देश इजरायल को मदद करना भी चाहें तो उसके नेतृत्व के लिये वे अमेरिका का मुंह देख रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन के सामने भ्रम की स्थिति हो सकती है। पहला तो यह कि इस युद्ध में यदि वह शामिल होता है तो उसके अपने नागरिक ही विरोध कर सकते हैं। बाइडेन को भी इसलिये बहुत सोच–समझकर कदम उठाने होंगे क्योंकि इसी दिसम्बर में वहां राष्ट्रपति चुनाव हैं। फिलहाल उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को बढ़त है परन्तु यदि कोई अलोकप्रिय कदम बाइडेन ने उठाया तो उसका खामियाजा उनकी पार्टी को चुनाव में उठाना पड़ सकता है। इजरायल को घेरे हुए जो इस्लामिक देश हैं, उनकी सेनाओं के अलावा अनेक संगठन भी हथियार तैयार किये बैठे हैं। इससे युद्ध की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। गजा पट्टी एवं वेस्ट बैंक में हमास व फिलीस्तीनी इस्लामिक जिहाद, लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस, बद्र व असैब अह्ल अल हक, सीरिया में अफगानी शरणार्थियों से बना फातेमिया ब्रिगेड, जैनबी ब्रिगेड व कुवत अल–रिधा, यमन में हूती, बहरीन में अल–अश्तार ब्रिगेड जैसे संगठन कार्यरत हैं जिनके लाखों लड़ाके हैं। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों का समर्थन लिये बिना इजरायल को इतने मोर्चों पर एक साथ लड़ना बहुत कठिन होगा। अगर ऐसा होता है तो अमेरिका–इजरायल के विरोधी खेमे के देश भी इस्लामिक देशों की मदद के लिये न उतर आयें। यह सबसे बड़ा खतरा है। हालांकि इस वक्त दुनिया के ज्यादातर देश स्वयं ही इतने ज्यादा खस्ताहाल हो चुके हैं कि युद्ध से दूर रहना चाहेंगे। तत्काल जरूरत इस क्षेत्र में शांति बहाल किये जाने की है।

म्यांमार की शांति वार्ता की पेशकश और जटिल हालात में भारत और चीन की भूमिका

❍ म्यांमार में जातीय सशस्त्र समूहों को जुंटा की ओर से की गई शांति वार्ता की पेशकश दक्षिण–पूर्व एशिया में व्यापक भू–राजनीतिक परिदृश्य के लिए भी महत्वपूर्ण निहितार्थ रखती है। इन नाजुक हालात में भारत और चीन को क्षेत्रीय स्थिरता को कायम रखने के लिए सावधानीपूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा।

केएस तोमर

पिछले करीब साढ़े तीन वर्षों से चले आ रहे गृहयुद्ध से बेहाल म्यांमार की सेना जुंटा द्वारा जातीय सशस्त्र समूहों को दिया गया शांति वार्ता का प्रस्ताव क्षेत्रीय स्थिरता, खासकर भारत के संदर्भ में काफी मायने रखता है। म्यांमार के साथ लगती 1643 किलोमीटर की सीमा पर स्थित मणिपुर खुद को नाजुक मोड़ पर पाता है। इन प्रस्तावित वार्ताओं के नतीजे या तो अधिक सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगे या फिर मौजूदा संघर्ष को और आगे बढ़ा सकते हैं, जिसने ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र को अस्थिर कर रखा है। अगर जुंटा के प्रस्ताव का परिणाम सुखद निकलता है, तो यह सभी के लिए बेहतर होगा। लेकिन, अगर प्रमुख समूह खुद को इस प्रक्रिया में उपेक्षित महसूस करते हैं, तो मणिपुर में अशांति और हिंसा बढ़ने की भी आशंका है। फिलहाल मणिपुर जिन संघर्षों से जूझ रहा है, उनकी जड़ें इसके विविध समुदायों के बीच स्वायत्तता और जातीय पहचान की निरंतर खोज में गहराई तक निहित हैं। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) जैसे संगठनों ने साझा सांस्कृतिक संबंधों और क्षेत्र के चुनौतीपूर्ण भूगोल का लाभ उठाते हुए सीमा पार जातीय गुटों के साथ जटिल गठबंधन स्थापित किए। इसके अतिरिक्त, नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन) और यूएनएलएफ जैसे समूह भी म्यांमार में सशस्त्र गुटों के साथ संबंध बनाकर रखते हैं। खासकर नगा और कुकी–चिन समुदायों के बीच का परिदृश्य जातीय संबद्धता को जटिल बनाता है। शांतिवार्ता के नतीजे या तो इन संबंधों को बाधित करेंगे या फिर समाधान का कोई रास्ता निकालेंगे।

एनएससीएन, पीएलए और यूएनएलएफ जैसे विद्रोही समूहों के म्यांमार के सशस्त्र समूहों के साथ स्थापित संबंधों की वजह से मणिपुर में अशांति रहती है। यदि शांति वार्ता सफल रहती है, तो इससे भारत–म्यांमार सीमा पर माहौल में स्थिरता कायम होगी। युद्धविराम या समझौता विद्रोहियों और हथियारों की आवाजाही को कम कर सकता है, जिससे भारत में विद्रोही समूहों को म्यांमार से मिल रहा समर्थन कमजोर हो सकता है। सीमा प्रबंधन में भारत और म्यांमार के बीच सहयोग बढ़ने से पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत होगी। लेकिन अगर, संघर्ष के दौरान शांति वार्ता अटकती है या फिर सभी जातीय समूहों को इसमें शामिल करने में विफलता हाथ लगती है, तो शरणार्थियों और विद्रोहियों का भारत में प्रवेश बढ़ने के साथ ही कुकी और नगा समुदायों के बीच तनाव भी बढ़ सकता है। दरअसल, भारत का उत्तर–पूर्व क्षेत्र, विशेषकर मणिपुर, म्यांमार के बाहरी प्रभावों की वजह से अतिसंवेदनशील है। शांति वार्ता का भविष्य भारत की सीमा सुरक्षा, विद्रोही गतिविधियों और उग्रवाद विरोधी प्रयासों पर खासा असर डालेगा।घ्यदि सफलतापूर्ण समझौता होता है, तो सीमा पार उग्रवाद के प्रबंधन में मजबूत सहयोग संभव हो सकता है, जबकि निरंतर अस्थिरता इन प्रयासों में बाधा बन सकती है। म्यांमार की स्थिरता में भारत के कूटनीतिक हित हैं, इसलिए वह सीमा पर जुंटा और जातीय समूह, दोनों के संपर्क में है। राजनयिक चौनलों का लाभ उठाते हुए भारत म्यांमार की सेना और जातीय समूहों के बीच संतुलन बनाते हुए शांतिपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित कर सकता है।

दूसरी तरफ, क्षेत्र में पेचीदा संबंधों और रणनीतिक हितों को देखते हुए जुंटा की शांति वार्ता के चीन के लिए भी खासे निहितार्थ हैं। ऐतिहासिक रूप से, चीन ने म्यांमार की सीमा और विभिन्न जातीय सशस्त्र समूहों के साथ चीन–म्यांमार सीमा पर संतुलन बनाने का प्रयास किया है। इन शांति वार्ताओं में गतिशीलता म्यांमार में चीन की भूमिका और प्रभाव को नया आकार दे सकती है। चीन म्यांमार में कई जातीय सशस्त्र समूहों, विशेषकर उत्तरी क्षेत्र में, जैसे काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए), यूनाइटेड वा स्टेट आर्मी (यूडब्ल्यूएसए), और शान स्टेट आर्मी के साथ संबंधों में विशेष संतुलन बनाकर रखता है। ये समूह चीन के साथ जातीय, आर्थिक और राजनीतिक रूप से गहराई से जुड़े हुए हैं, जिसकी वजह से बीजिंग दोहरी रणनीति लेकर चलता है, एक ओर सैन्य शासन का समर्थन करता है, तो दूसरी ओर अपने रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जातीय गुटों को भी साधकर रखता है। उत्तरी जातीय सशस्त्र समूहघविशेषकर काचिन, शान और वा में व्यापक क्षेत्र को नियंत्रित करते हैं, अवैध धंधे में शामिल रहते हैं और चीनी सीमा के साथ अर्ध स्वायत्त क्षेत्र का संचालन करते हैं। ये समूह हथियार आपूर्ति और राजनीतिक समर्थन हासिल करने के लिए चीन पर भरोसा करते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता और म्यांमार के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करते हैं।

जुंटा की शांति वार्ता की पेशकश को संघर्ष को कम करने, शक्ति बढ़ाने और वैधता हासिल करने के रूप में भी देखा जा सकता है। 2021 के तख्तापलट के बाद से कई सशस्त्र प्रतिरोधों के साथ जातीय सशस्त्र समूहों ने जुंटा के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश की हैं। अगर ये वार्ताएं सफल होती हैं, तो इससे सापेक्ष स्थिरता के माहौल को बढ़ावा मिलेगा, जिनसे म्यांमार में चीनी निवेश और दूसरी परियोजनाओं को लाभ होगा। हालांकि, नतीजा जुंटा की पेशकश की वास्तविकता, जातीय समूहों की प्रतिक्रिया और जुंटा जिन रियायतों या स्वायत्तता पर बातचीत करने के लिए तैयार है, उन पर भी निर्भर करता है।

चीन ने इससे पहले भी म्यांमार में मध्यस्थता निभाई है, विशेषकर 2015 में सरकार और यूडब्ल्यूएसएघ्के बीच समझौता कराकर। चीन म्यांमार में जातीय समूहों के साथ मिलकर वहां के प्राकृतिकघ्संसाधनों का दोहन भी करता है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) जैसी परियोजनाओं की सफलता के लिए चीन अपने हितों के अनुरूप सेना और जातीय समूहों के बीच समझौते को प्राथमिकता देगा। इसके अलावा चीन क्षेत्र में अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों, जैसे–भारत, जापान और अमेरिका के प्रभाव को कम करने के लिए म्यांमार में अपने रणनीतिक हितों को सर्वोपरि रखना चाहेगा। शांति वार्ता के लड़खड़ाने पर चीन की कई परियोजनाएं अटक जाएंगी और हिंसा बढ़ने पर उसके यहां शरणार्थियों का संकट भी पैदा होगा। अंत में म्यांमार के नाजुक हालात को देखते हुए भारत और चीन को रणनीतिक हितों की रक्षा के साथ ही क्षेत्रीय स्थिरता को कायम रखने के लिए सावधानीपूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। क्योंकि म्यांमार की शांति वार्ता के नतीजे न केवल म्यांमार की आंतरिक गतिशीलता के लिए, बल्कि दक्षिण–पूर्व एशिया में व्यापक भू–राजनीतिक परिदृश्य के लिए भी महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

दुर्गासप्तशती की उत्पत्ति का रहस्य

❍ पार्जिटर के मुताबिक, दुर्गापूजा के दौरान दुर्गाशप्तसती का पाठ एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, पर शप्तशती की उत्पति बंगाल में नहीं हुई। उन्होंने इसकी रचना स्थली पद्मावती (उज्जैन) और मांधाता तीर्थ (ओंकारेश्वर) को मानते हुए पश्चिमी भारत को सिद्ध किया है।

शास्त्री कोसलेन्द्रदास

महाभारत ने दुर्गा को यशोदा एवं नंद गोप की पुत्री शनंदजाश बताया है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से महाभारत युद्ध में विजय के लिए दुर्गा स्तोत्र का पाठ करवाया है। गुप्तकाल के सम्राट चंद्रगुप्त प्रथम (305–325 ईस्वी) के सिक्कों पर सिंहवाहिनी देवी का चित्र है। कुषाण राजा कनिष्क के सिक्कों पर भी चंद्र एवं सिंह के साथ देवी का चित्र है। शूलपाणि का दुर्गोत्सव–विवेक, दुर्गापूजा–प्रयोगतत्व, विद्यापति की दुर्गाभक्ति–तरंगिणी, विनायक (नंद पंडित) कृत नवरात्र–प्रदीप और उदयसिंह द्वारा 15वीं शती में लिखी दुर्गोत्सव–पद्धति जैसे ग्रंथ इसी विषय पर लिखे गए हैं। इन सबके अलावा सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथ है मार्कंडेय पुराण, जिसके 13 अध्यायों (78 से 90 तक) में शदेवी–माहात्म्यश वर्णित है। इन तेरह अध्यायों से बने स्वतंत्र ग्रंथ को ही दुर्गासप्तशती या चंडी पाठ कहते हैं। इन ग्रंथों के अतिरिक्त कालिका पुराण, बृहन्नन्दिकेश्वर पुराण एवं देवी पुराण में भी दुर्गा एवं उनकी पूजा का विशद वर्णन मिलता है। मार्कंडेय पुराण का आरंभ वेदव्यास के शिष्य जैमिनि द्वारा महाभारत के विषय में मार्कंडेय ऋषि से पूछे गए चार प्रश्नों के साथ होता है। पहला, निर्गुण परमात्मा वासुदेव ने मानव रूप क्यों धारण किया? दूसरा, द्रौपदी पांच भाइयों की पत्नी क्यों बनी? तीसरा है कि बलराम ने ब्रह्महत्या का प्रायश्चित्त केवल तीर्थयात्रा से ही क्यों किया? चौथा, द्रौपदी के पांच अविवाहित पुत्र अश्वत्थामा द्वारा क्यों मारे गए, जबकि उनके सहायक महान पांडव और स्वयं भगवान श्रीकृष्ण थे? मार्कंडेय इन प्रश्नों को सुनकर जैमिनि को विंध्याचल के बुद्धिमान पक्षियों के पास जाने की सम्मति देते हैं। इस प्रकार इन प्रश्नों के उत्तर पक्षियों द्वारा चौथे से सातवें अध्याय में दिए हुए हैं। पाश्चात्य विद्वान फ्रेडरिक ईडन पार्जिटर ने 1904 ईस्वी में मार्कंडेय पुराण का विद्वत्तापूर्ण अंग्रेजी अनुवाद किया था। वह लिखते हैं कि महाभारत में देवी के काली, भद्रकाली, महाकाली और चंडी नाम आए हैं, जबकि आठवीं शती के महाकवि भवभूति ने शमालती–माधवम्श में देवी के लिए चामुंडा शब्द का प्रयोग किया है। सप्तशती का एक महिमाशाली श्लोक है–शसर्वमंगलमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।

अमृतकाल में भुखमरी

अगर तस्वीरें बोल सकतीं, मूर्तियां हिलने–डुलने में सक्षम होतीं, तो महात्मा गांधी अपने जन्मदिन पर हाथ जोड़कर नरेन्द्र मोदी समेत संघ की मानसिकता में पोषित तमाम नेताओं से विनती करते कि वे बेशक नाथूराम गोडसे की जय जयकार कर लें (जिसने उन पर तीन गोलियां दागीं), लेकिन उनके (गांधी के) आगे दिखावे के लिए हाथ न जोड़ें। क्योंकि गांधी की मूर्ति पर माला चढ़ाने या उन्हें प्रणाम करने का तब तक कोई अर्थ नहीं है, जब तक उनके आदर्शों पर चलने की नीयत न हो। गांधीजी ने ऐसे आजाद भारत की कल्पना की थी, जिसमें आखिरी कतार के आखिरी व्यक्ति की आंख से आंसू पोंछे जाएं। यानी जो समाज में सबसे गरीब, पीड़ित और शोषित लोग हैं, उनकी पीड़ा को दूर करने का काम सरकार करे, तभी आजादी का मतलब है। लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार में गरीबों की पीड़ा बढ़ती ही जा रही है और अब भूख से मौत जैसी भयावह हकीकत समाज देख रहा है। चेन्नई में बंगाल से गए एक मजदूर की मौत हो गई, क्योंकि उसके पास खाने के लिए एक दाना नहीं था और छह दिनों से वो भूख से तड़प रहा था। अंग्रेजी अखबार द हिंदू की खबर है कि प.बंगाल से 12 किसान मजदूर 3 सौ रूपए रोजी के वादे पर तमिलनाडु लाए गए थे। अच्छे काम और पैसे के झांसे में आकर ये मजदूर जब चेन्नई पहुंचे, तो यहां इन्हें न काम मिला, न पैसे और न लौटने का कोई साधन इनके पास बचा था। रेलवे स्टेशन पर ये मजदूर पिछले एक हफ्ते से बैठे हुए थे और भूख से तड़प रहे थे। जिसमें से एक ने आखिरकार दम तोड़ दिया और एक की हालत अभी नाजुक बताई जा रही है। भुखमरी से इस मौत के बाद प्रशासन हरकत में आया और अब बाकी मजदूरों को बचाया गया है। मृतक की पहचान समर खान के रूप में की गई है। इस नाम के बाद अब भुखमरी से मौत के इस संगीन मामले को किस हद तक तोड़ा–मरोड़ा जा सकता है, इसकी कोई कल्पना नहीं की जा सकती। क्योंकि भाजपा के दस सालों के शासनकाल में अकल्पनीय चीजें भी सच होने लगी हैं। आंखों की शरम का जो वाक्यांश हुआ करता था, वह अब लगभग गायब है। इसलिए अरबपतियों की शादी में हाथी के लिए बनी खिचड़ी को खाकर पत्रकार धन्य होते हैं। प्राइम टाइम में हिंदू–मुसलमान पर तीखीं झड़पें करवाते हैं। किसी के घर के फ्रिज में रखे मांस के नाम पर उसे मौत के घाट उतार दिया जाता है। सरकारें प्रसाद में बने लड्डू को प्राथमिकता की सूची में सबसे पहले रखती हैं। तिरूपति में बने लड्डू शुद्ध घी के थे या उनमें जानवर की चर्बी मिली थी, इस पर 11 दिन का प्रायश्चित करने की विलासिता सरकार में बैठे लोगों के पास हो सकती है, लेकिन भूख से मरते आदमी के लिए शुद्धता या मिलावट से बड़ा सवाल उस रोटी का है, जो उसके हिस्से की थी, उसे पूरे हक और सम्मान से मिलनी चाहिए थी, लेकिन फिर भी उसे नहीं मिली। राहुल गांधी ने हरियाणा में विजय संकल्प रैली में एक महत्वपूर्ण बात कही कि सम्मान जरूरी है, लेकिन गरीब की जेब में अगर पैसे नहीं हैं, तो फिर सम्मान का क्या मतलब। राहुल गांधी को सत्ता का मोह नहीं है, वो किसी पद के आकांक्षी नहीं हैं, इसलिए जब वो गरीबों के हितों की बात करते हैं, तो उसमें बनावटीपन नहीं दिखता, सच्चाई नजर आती है। राहुल गांधी ने ऊंचे मंचों पर चढ़कर अमृतकाल, विकसित भारत, पचास साल बाद के भारत का प्रवचन नहीं किया, बल्कि देश के चारों दिशाओं की यात्रा की है, हजारों किमी पैदल घूमे हैं, लोगों के बिल्कुल बीच में जाकर उनसे बात की है। इसलिए वो जानते हैं कि इस देश के लोगों के दुख–दर्द क्या हैं। इस दर्द का इलाज भी वो बता रहे हैं कि दो–तीन लोगों के हाथों में देश की पूरी संपत्ति देने की जगह इस पर सबकी बराबरी की हिस्सेदारी होनी चाहिए। हिस्सा किस तरह बांटा जाए, इसका समाधान जातिगत जनगणना से हो सकता है, ऐसा उनका विचार है। अगर भाजपा को या किसी और दल को इस सुझाव पर आपत्ति है, तो वह इससे बेहतर कोई उपाय पेश करे। लेकिन केवल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के उठाए मुद्दों और दिए गए सुझावों का विरोध करने से तो समस्याएं सुलझेंगी नहीं। सत्ता के ग्यारहवें साल में भी प्रधानमंत्री देश के गरीब और पिछड़े लोगों का जीवन स्तर ऊंचा करने के लिए वादे ही किए जा रहे हैं। 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज मुफ्त देने की योजना को भाजपा अगर अपनी उपलब्धियों में गिनती है, तब भी उससे सवाल किया जा सकता है कि ये पांच किलो अनाज समर खान और उनके साथियों तक क्यों नहीं पहुंचा। अब तक बेरोजगारी, कर्ज, परीक्षा में असफलता जैसे कारणों से होने वाली आत्महत्याएं समाज के लिए चिंता का विषय थीं। इस बीच कई घंटों के काम और नौकरी के कारण होने वाले तनाव से मौत की खबरें आईं। इन सबका उपाय सरकार के पास नहीं है और अब भुखमरी से मौत का मामला सामने आया है। चूंकि तमिलनाडु और प.बंगाल दोनों जगह भाजपा की सरकार नहीं है, इसलिए भूख से मौत की खबर को दबाने या इसे फर्जी ठहराने की कोशिश अब तक नहीं हुई है। बल्कि प.बंगाल के राज्यपाल आनंद बोस ने इसके लिए ममता बनर्जी की सरकार पर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। इसमें एम के स्टालिन की सरकार को किस तरह घेरा जाएगा, यह भी देखना होगा। लेकिन भाजपा को याद रखना चाहिए कि दूसरे दलों पर उंगली उठेगी तो उस पर भी सवाल खड़े होंगे। जब हर साल 2 करोड़ रोजगार का वादा था, किसानों की आय दोगुनी होने का दावा था, किसान सम्मान निधि के नाम पर जय–जयकार करवाई जा रही है, तब काम की तलाश में प.बंगाल से तमिलनाडु जाने की मजबूरी क्यों हो रही है, इसका जवाब नरेन्द्र मोदी को देना ही चाहिए। देश के 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताने वाले नरेन्द्र मोदी अपने परिजन की भूख से मौत पर विचलित हो रहे हैं या नहीं, ये उन्हें बताना चाहिए। गांधीजी होते तो शायद ऐसी किसी घटना पर प्रायश्चित स्वरूप उपवास पर बैठ जाते। आज भी उनकी आत्मा शायद यह देख कर दुखी हो रही होगी कि उनकी जयंती पर लाखों रुपए खर्च करके भव्य कार्यक्रम हो रहे हैं और जिनके आंसू पोंछने की बात वे करते थे, उनके लिए भुखमरी के हालात हैं। मुंह में राम, बगल में छुरी की लोकोक्ति आज गांधी के संदर्भ में बिल्कुल खरी उतरती है। नाथूराम गोडसे ने किन लोगों के साथ, किन लोगों की मदद से और किनकी विचारधारा से प्रेरित होकर गांधी जी की हत्या की, यह खुला सच है। आज वही गोडसेवादी अखबारों और टीवी चौनलों में गांधी जयंती पर बड़े–बड़े इश्तिहार दे रहे हैं। मुंह से गांधीजी का नाम ले रहे हैं, और दिल में गोडसे के विचारों को पाल रहे हैं। इतनी चालाकी पर्याप्त नहीं थी, तो दस सालों में गांधी के विराट व्यक्तित्व को स्वच्छता के विचार तक सीमित करने की कोशिश की गई। आज भी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छ भारत दिवस मनाते हुए गांधीजी के स्वच्छता संबंधी विचारों को याद कर रहे थे। भाजपा के कुछ विज्ञापनों में स्वच्छता को सेवा मानने के विचार के जरिए नरेन्द्र मोदी को महात्मा गांधी के समतुल्य दिखाने की चेष्टा की गई। लेकिन थोड़ी देर के लिए छाए बादल अगर ये गुमान पाल लें कि सूरज को उन्होंने छिपा दिया है, तो वह गुमान सूरज की एक किरण से ही टूट जाता है। गांधीजी के विचारों को अपनी कुचेष्टा के बादल से छिपाने का भाजपा का गुमान भी इसी तरह एक न एक दिन टूटेगा ही।

40 हजार के लेनदेन में पुलिस का वीडियो वायरल, चोरों ने कार से उड़ाया बैग

वाराणसी। एक गांव में 40 हजार लेकर चहारदीवारी के निर्माण के लिए सौदे के मामले में जंसा थानाध्यक्ष और आरक्षी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। चार दिन पुराने वीडियो की जांच एडीसीपी ने दो दिन पहले कराई थी। इसमें थानाध्यक्ष और आरक्षी की भूमिका संदिग्ध मिली है। अपर पुलिस उपायुक्त गोमती जोन आकाश पटेल ने बताया कि अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। इस मामले में किन्ही कारणों से चहारदीवारी नहीं हो पाई तो आरक्षी से पैसे वापस मांगे जा रहे थे। वीडियो में दिख रहा है कि आरक्षी 14000 काटकर 26000 वापस कर रहा है। वीडियो में आरक्षी, थानाध्यक्ष जंसा और दो अन्य साफ–साफ दिखाई दे रहे हैं।

2– कांग्रेस ने उठाया आईआईटी के छात्रों का मुद्दा

कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने बीएचयू कैंपस में छात्रों के निलंबन का विरोध किया। कहा कि दुष्कर्म के आरोपी भाजपा नेताओं के खिलाफ प्रदेश सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। न ही सरकार का बुलडोजर एक्शन दिखाई दिया। भाजपा को एक प्रकोष्ठ बनाकर दुष्कर्म के आरोपियों को पदाधिकारी बना देना चाहिए।

3– खेत में उतरे करंट से मौत के मामले में महिला समेत 3 गिरफ्तार

वाराणसी जिले के चितईपुर थाना क्षेत्र के तारापुर में सब्जी के खेत के किनारे घेरे गए तार में करंट से किशन (12) की मौत के मामले में पुलिस ने महिला समेत तीन आरोपियों को बुधवार को तारापुर से गिरफ्तार किया। सभी को जेल भेज दिया गया। एक और आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। चितईपुर थाना प्रभारी संजय मिश्रा ने बताया कि आरोपियों में तारापुर के सीताराम, वीरेंद्र और चंदा साहनी हैं। वहीं, भोला साहनी की तलाश है। मंगलवार शाम खेलते समय खेत में तार छू जाने से उतरे करंट से किशन की मौत हो गई थी। वहीं, विकास झुलस गया था, उसका बीएचयू अस्पताल में इलाज चल रहा है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि खेत में फसलों को जानवरों से बचाने के लिए चारों तरफ तार लगाकर उसमें करंट दिया गया था।

4– छात्र की पिटाई मामले में जांच हुई पूरी, अध्यापक पाए गए दोषी

आराजीलाइन विकासखंड के ग्राम पंचायत हरसोस के कंपोजिट विद्यालय के छात्र की बेरहमी से पिटाई के मामले में अध्यापक दोषी पाए गए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी की जांच रिपोर्ट बीएसए को भेजी जाएगी। सोमवार को कबड्डी खेलते समय आठवीं के छात्र लकी कुमार गोड़ से अध्यापक यशवर्धन त्रिपाठी की चोटी छू गई थी। इससे आक्रोशित अध्यापक ने छात्र की पिटाई कर दी थी। जिसके बाद ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह विद्यालय पर ताला बंद कर हंगामा और प्रदर्शन किया था। खंड शिक्षा अधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव ने टीम गठित कर जांच कराई।

5– सड़क हादसे में घायल पुलिसकर्मी की मौत, केस दर्ज

पुलिसलाइन के पास बाइक के धक्के से घायल पुलिसकर्मी सोनू कुमार गोंड (28) की उपचार के दौरान बुधवार सुबह बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई। जिला जज के आवास पर सोनू की ड्यूटी थी। मंगलवार सुबह ड्यूटी पर जाते समय पुलिस लाइन चौराहे के पास बाइक सवार ने उसे धक्का मार दिया था। कैंट पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मऊ के कोपागंज मानोपुर भदसा निवासी सोनू 2018 बैच का आरक्षी था। बड़े भाई उमेश प्रसाद ने अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। कैंट पुलिस सीसी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है। उधर, परिजन पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर मऊ रवाना हो गए।

6– बनारस क्लब में पत्नी और बच्चे के सामने युवक पर जानलेवा हमला

बनारस क्लब में मंगलवार रात एक कार्यक्रम के दौरान पत्नी, बच्चों के सामने एक युवक की मनबढ़ ने पिटाई कर दी। आरोप है कि लोहे के पौने से जानलेवा हमला किया गया। कैंट पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट समेत अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया है। भेलूपुर थाने क्षेत्र के रविंद्रपुरी कॉलोनी निवासी सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि क्लब में एक कार्यक्रम में शामिल होने सपरिवार गया था। नदेसर के रहने वाले चंद्र प्रकाश यादव बेवजह रोशनी जायसवाल प्रकरण में उलझ गए। आरोप है कि इस दौरान गालीगलौज की गई, विरोध करने पर पौने से सिर पर वार कर दिया। पत्नी और बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के लोग आए तो किसी तरह जान बची। सिद्धार्थ का आरोप है कि हत्या के प्रयास मामले में कैंट पुलिस ने हल्की धाराएं लगाईं।

7– चोरों ने कार से बैग उड़ाया

समाजोत्थान समिति के सचिव और सिटी चौनल के पूर्व निदेशक आलोक पारिख की कार से टप्पेबाजों ने चेतमणि चौराहे के पास 25 हजार नकद और अन्य सामान पार कर दिया। ग्वालदास साहू लेन निवासी आलोक ने बुधवार को भेलूपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। बताया कि एक व्यक्ति गाड़ी में बैठे ड्राइवर से आकर कहा कि बाहर आपके पैसे गिरे हैं। ड्राइवर जब बाहर निकला तो कुछ अज्ञात युवकों ने गाड़ी के अंदर से बैग उड़ा दिया। पूरी वारदात सीसी कैमरे में कैद है।

8– मकान से चोरों ने नकदी और आभूषण समेटा

चोलापुर थाना क्षेत्र के कटारी गांव में छत के सहारे चोरों ने मकान से नगदी समेत आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित ने बुधवार को थाने में तहरीर दी। रविंद्र पाल के अनुसार, चोरों ने 32000 रुपये और आभूषण पर हाथ साफ किया।

9– नितेश मौर्य हत्याकांड में वांछित आरोपी गिरफ्तार

दांदूपुर में नितेश मौर्य हत्याकांड में वांछित आरोपी को शिवपुर पुलिस ने बुधवार को हरिहरपुर रिंग रोड के पास से गिरफ्तार किया। शिवपुर थाना प्रभारी उदयवीर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान दांदूपुर के क्राइस्ट नगर निवासी संजय कुमार गौड़ के रूप में हुई है। 21 सितंबर को दांदूपुर में नीतेश मौर्य का शव घर से 100 मीटर दूर रिंग रोड के किनारे अधजले हाल में मिला था। पिता अनिल कुमार मौर्य की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

10– जुआ खेलने के आरोप में पांच गिरफ्तार

मैदागिन के कंपनी गार्डेन में मंगलवार देर शाम कोतवाली पुलिस ने छापा मारकर जुआ खेल रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से तीन हजार की नकदी, ताश के पत्ते बरामद हुए। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में नहरपुरा का प्रियांशु, मध्यमेश्वर का जय कुमार गोंड और करन सेठ, कोयला बाजार का शमशेर, कतुआपुरा का गौरव सेठ है।

11– नाश्ते का पैसा मांगने पर दुकानदार को पीटा, पांच पर केस

चौबेपुर थाने क्षेत्र के श्रीकंठपुर में मिठाई की दुकान पर नाश्ते का बकाया पैसा मांगने पर मनबढ़ों ने बुधवार सुबह दुकानदार की पिटाई कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पांच के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। दुकानदार सीताराम यादव ने बताया कि सुबह 8 बजे साहिल, मेराज, मोंटी व दो अज्ञात दुकान पर नाश्ता करने के बाद बिना पैसे दिए जा रहे थे। पहले का भी 750 रुपये बकाया था। मांगने पर तीनों ने गालीगलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने पिटाई कर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

12– छात्र की पिटाई के मामले में अध्यापक मिले दोषी

आराजीलाइन विकासखंड के ग्राम पंचायत हरसोस के कंपोजिट विद्यालय के छात्र की बेरहमी से पिटाई के मामले में जांच में अध्यापक दोषी पाए गए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी की जांच रिपोर्ट बीएसए को भेजी जाएगी। सोमवार को कबड्डी खेलते समय आठवीं के छात्र लकी कुमार गोड़ से अध्यापक यशवर्धन त्रिपाठी की चोटी छू गई थी। इससे आक्रोशित अध्यापक ने छात्र की पिटाई कर दी थी। इसके बाद ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह विद्यालय पर ताला बंद कर हंगामा और प्रदर्शन किया था। खंड शिक्षा अधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव ने टीम गठित कर जांच कराई।

13– बैंक प्रबंधक और कैशियर के घर चोरी

गणेशपुर में यूनियन बैंक शाखा प्रबंधक राजीव कुमार सिंह के सिंधौरा के मकान को चोरों ने खंगाल दिया। 50 हजार नकद और आभूषण समेत अन्य घरेलू सामान चोर समेट ले गए। सीसी कैमरे की फुटेज में दो स्कूटी पर चार आरोपी दिख रहे हैं। तरना पुलिस चौकी पर तहरीर देने के बाद भी केस दर्ज करने में लापरवाही बरती। बैंक प्रबंधक ने पुलिस आयुक्त से गुहार लगाई तो शिवपुर पुलिस ने केस दर्ज किया। उधर, न्यू अशोक विहार कॉलोनी निवासी एसबीआई बैंक के कैशियर के मकान का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी और आभूषण चुरा लिए। अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सीसी कैमरे में दो चोर कैद हुए हैं।

14– जिला अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में एसी खराब

पंडित दीनदयाल जिला अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में एयरकंडीशनर काम न करने से मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोग खिड़की खोलकर पंखे के सहारे रहे। मरीजों ने कहा कि प्रति बेड 400 रुपये लिए जाते हैं, लेकिन सुविधा के नाम पर बाथरूम में मग तक नहीं है। वाशरूम का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। शिकायत पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने एक गार्ड और ऑपरेटर को रिपेयरिंग के लिए बुलाया।

15– बाइक की टक्कर से साइकिल सवार युवती की मौत

कपसेठी थाना क्षेत्र के बिरमपुर मोड़ के पास बाइक की टक्कर में साइकिल सवार युवती की मौत हो गई। बाइक सवार दो युवक भाग निकले। वाराडीह की सिन्नी (21) कपसेठी बाजार में शॉपिंग मॉल में काम करती थी। पुलिस ने अचेत युवती को सेवापुरी राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बीएचयू के इनोवेटर ने खोजा बग, दिया सॉल्यूशन, हैकर्स डाउन कर सकते थे वेबसाइट

वाराणसी। बीएचयू के एक इनोवेटर ने अंतरराष्ट्रीय स्पेस एजेंसी नासा के सर्वर में बग यानी गड़बड़ी खोजी है। नासा इसे स्वीकार किया और अब सुधार भी किया जा रहा है। गड़बड़ी ऐसी थी कि हैकर्स नासा की साइट को डाउन कर देते। ट्रैफिक होने पर वेबसाइट स्लो खुलती। यूजर्स को जानकारी नहीं मिलती। यहां से गोपनीय सूचनाएं भी चुराई जा सकती थीं।

ये काम बीएचयू के अटल इंक्यूबेशन सेंटर के इनोवेटर मृत्युंजय सिंह ने किया। उन्होंने एक ओपन चौलेंज में इस बग को खोजा है। इस बग का नाम है श्पी–5 इंफॉर्मेशनल वल्नबरैलिटी।श्‍ बग क्राउड कंपनी की ओर से नासा की वेबसाइट में कमियों को खोजने के लिए ये चौलेंज दिया गया था। अब नासा समेत सेंटर के डायरेक्टर प्रो. पीवी राजीव ने मृत्युंजय की इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

मृत्युंजय कहते हैं कि बग क्राउड कंपनी दुनिया भर के हैकर्स को मौका देती है। कहती है कि कंपनियों की वेबसाइट में मौजूदा गड़बड़ियों को बताइए। इसमें नासा समेत दुनिया भर की कई नामी–गिरामी वेबसाइट होती हैं।

10 दिन तक चली रिसर्च

मृत्युंजय ने कहा कि उन्होंने इस चौलेंज को स्वीकार किया। नासा की वेबसाइट पर रिसर्च का काम शुरू हुआ। 10 दिन तक रिसर्च चली। खुद के बनाए एक हैकिंग सॉफ्टवेयर की मदद से पेन टेस्टिंग की गई। यानी कि वेबसाइट के इंटरनल प्रोग्रामिंग में जाकर लूपहोल खोजे गए। हालांकि, आम लोगों को नासा की वेबसाइट पर ये दिक्कत नहीं दिख सकती। इसे केवल हैकर्स या एथिकल हैकर्स ही समझ सकते हैं।

कंपनी के साथ हुई बग बाउंड्री

किसी कंपनी के द्वारा किसी वेबसाइट पर रिसर्च करके गड़बड़ी निकालने को हैकर्स की भाषा में बग बाउंड्री कहते हैं। यानी कि आओ ओपन चौलेंज में हमारी वेबसाइट की कमियां खोजो। ऐसी कमी जिसे कोई ब्लैक हैट हैकर यानी कि खतरनाक हैकर हमारी वेबसाइट को नुकसान न पहुंचा पाए। इसे ही बग बाउंड्री कहा जाता है।

18 पन्ने की पहली रिपोर्ट को नासा ने नकारा

बग क्राउड कंपनी की ओर से चौलेंज को स्वीकारा। नौवें दिन के रिसर्च के बाद 18 पन्ने की एक रिपोर्ट दी गई, तो नासा ने इसे गड़बड़ी नहीं माना। कहा गया कि इस तरह से कोई हैकर गड़बड़ी नहीं कर सकता। यदि कर सकता है तो प्रूफ करो। रिसर्च के 10वें दिन दोबारा पांच पन्नों की दूसरी रिपोर्ट दी गई। इसमें सारी तकनीकी दिक्कतों को बताया। एक घंटे बाद नासा ने जवाब दिया कि हां, दिक्कत है। फिर, नासा ने मृत्युंजय से इस सूचना को पब्लिक डोमेन पर पोस्ट करने की अनुमति मांगी। जिसे डिस्क्लोजर कहते हैं। उन्होंने अनुमति दे दी। दो दिन बाद पब्लिक डोमेन में ये सूचना डाल दी जाएगी।

दीवार बनवाने को लिए थे ४० हजार, सीपी ने लिया एक्शन, जंसा थानाध्यक्ष लाइन हाजिर

वाराणसी। पैसे के लेनदेन का वीडियो वायरल होने के बाद वाराणसी के पुलिस आयुक्त ने जंसा थानाध्यक्ष बैद्यनाथ सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस आयुक्त ने जंसा थाने का नया थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर दुर्गा सिंह को बनाया है। सब इंस्पेक्टर बैद्यनाथ सिंह के खिलाफ विभागीय जांच भी चल रही है। सोशल मीडिया के अलग–अलग प्लेटफॉर्म पर गत दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो के अनुसार, जंसा थानाध्यक्ष बैद्यनाथ सिंह और एक सिपाही दो लोगों से पैसे के लेनदेन की बात कर रहे थे। आरोप है कि एक बाउंड्री वॉल बनवाने के लिए जंसा थानाध्यक्ष बैद्यनाथ सिंह और सिपाही ने एक व्यक्ति से 40 हजार रुपये लिए थे। किन्हीं कारणों से बाउंड्री वॉल का निर्माण नहीं हो पाया तो सिपाही ने पैसा देने वाले व्यक्ति को 26 हजार रुपये वापस कर दिया और 14 हजार देने से मना कर दिया। उसी के बाद वीडियो वायरल हुआ तो उसकी जांच कमिश्नरेट के गोमती जोन के एडीसीपी आकाश पटेल ने की। उधर, इस संबंध में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि सब इंस्पेक्टर बैद्यनाथ सिंह के खिलाफ विभागीय जांच भी चल रही है। आगे की कार्रवाई विभागीय जांच की रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

चार दिन से नहीं हो रही सीबीसी और शुगर की जांच

चंदौली। पं. कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला अस्पताल में मशीन खराब होने के कारण चार दिनों से सीबीसी (कंप्लीट ब्लड काउंट) और शुगर की जांच नहीं हो पा रही है। इससे रोज 250 से ज्यादा मरीजों को निजी केंद्रों में जाकर जांच करानी पड़ रही है। इस समस्या का समाधान कब तक हो पाएगा, अस्पताल के अधिकारियों के पास इसका कोई जवाब नहीं है। मुख्यालय स्थित पं. कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन 1200 मरीज ओपीडी में इलाज के लिए आ रहे हैं, लेकिन इसमें से 400 से अधिक मरीजों की ब्लड जांच होती है। करीब 250 से ज्यादा मरीजों की सीबीसी और शुगर की जांच होती है। पिछले चार दिनों से जिला अस्पताल में सीबीसी के अलावा शुगर की भी जांच नहीं हो रही है। जिसके चलते मरीजों को बाहर का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे उन्हें आर्थिक क्षति के साथ परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मशीन की मरम्मत और समस्या का समाधान कब तक होगा, इसका सही जवाब भी अस्पताल प्रशासन के पास नहीं है।

मिनी बैंक संचालक से लूट का मास्टर माइंड गिरफ्तार

चंदौली। सकलडीहा पुलिस ने मिनी बैंक संचालक से चार लाख रुपये की लूट के मामले में मास्टर माइंड 20 हजार के इनामी बदमाश दीपक यादव को बृहस्पतिवार को नोनार गांव के पास से गिरफ्तार किया। उसके पास लूट के 92 हजार रुपये भी बरामद हुए। बृहस्पतिवार को एसपी आदित्य लांग्हे ने पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में मामले का खुलासा किया। एसपी आदित्य लांग्हे ने बताया कि फल्ली गांव निवासी मिनी बैंक संचालक सुनील कुमार से 21 सितंबर को चार लाख रुपये की लूट हुई थी। इस मामले में इनामी बदमाश नोनार तुलसी आश्रम गांव निवासी दीपक यादव उर्फ बागी को उसके गांव के पास से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि दीपक यादव पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह घटना के बाद से फरार चल रहा था। इस मामले में दो बाल अपचारियों समेत चार आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एक आरोपी अब भी फरार चल रहा है, जिसके तलाश जारी है। एसपी ने बताया कि 21 सितंबर को मिनी बैंक संचालक से लूट के बाद दीपक यादव 1. 53 लाख रुपये लेकर दिल्ली चला गया था। वहां 10 दिनों तक मौज मस्ती में 60,800 रुपये उड़ा दिए। इसके बाद गांव लौट आया। बृहस्पतिवार को वह फिर भागने की फिराक में था, लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पर्यावरण संतुलन में वन्य जीवों की भूमिका अहम, फोटो प्रदर्शनी में दी गई विशेष जानकारियां

वाराणसी। सारनाथ मिनी जू और डियर पार्क में वन्य जीच प्राणी सप्ताह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में वन्यजीव फोटो प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि आईएफएस डॉ. रवि सिंह, विशिष्ट अतिथिगण सीआरपीएफ कमांडेंट वाला पुरकर, प्रभागीय वनाधिकारी स्वाति ने किया। वहीं, डॉ. रवि सिंह ने वन्यजीव फोटो प्रदर्शनी की गुणवत्ता की तारीफ की। कहा कि वन्यजीवों को घरों में पालतू बनाकर नहीं रखना चाहिए, यह अपराध की श्रेणी में आता है। पर्यावरण संतुलन में वन्यजीवों की भूमिका अहम होती है।

मिनी जू डियर पार्क का भ्रमण भी कराया

सीआरपीएफ कमांडेंट वाला पुरकर ने कहा कि वन्यजीवों के बिना मानव जीवन संभव ही नहीं है। वन्यजीवों के संरक्षण से पर्यावरण को बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया, इसका विषय वन्य जीवों पर आधारित था। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों स्मृति चिन्ह देकर के पुरस्कृत किया गया। इस दौरान सारनाथ मिनी जू और डियर पार्क में उपस्थित लगभग 200 स्कूली बच्चे व 150 स्थानीय नागरिकों को सारनाथ मिनी जू डियर पार्क का भ्रमण भी कराया गया। भ्रमण व कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों, स्थानीय नागरिकों एवं जन समान्य में वन्य जीवों की सुरक्षा, संरक्षण, पक्षियों, एवं वन्य जीवों की पहचान करते हुए उनका मानव जीवन में क्या उपयोगिता होती है, की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन नवनीत मिश्रा व धन्यवाद ज्ञापन उपप्रभागीय वनाधिकारी राकेश कुमार ने किया। इस मौके पर रामधन यादव, अमित दुबे सहित आदि उपस्थित थे।

पांच बच्चों के पिता ने दिखाई हैवानियत, किशोरी के साथ किया दुष्कर्म, पुलिस ने ऐसे किया गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी के सलारपुरा निवासी 43 वर्षीय बुनकर मुराद अली को 13 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में जैतपुरा थाने की पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। आरोपी मुराद पांच बच्चों का पिता है। जैतपुरा थाने की पुलिस को किशोरी के बड़े भाई ने बुधवार को तहरीर दी थी। बताया कि उसकी बहन बीते मंगलवार की रात लगभग आठ बजे घर के समीप बच्चों के साथ छुपा–छुपाई खेल रही थी। उसी दौरान मुराद अली उसकी बहन को खींच कर पॉवरलूम के कारखाने में ले गया और दुष्कर्म किया। उसकी बहन घर आई तो मुराद अली की करतूत के बारे में जानकारी दी। उधर, इस संबंध में जैतपुरा थानाध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल मुआयना के लिए भेजा गया। आरोपी को गुरुवार की सुबह सिटी स्टेशन के मालगोदाम के पास से गिरफ्तार किया गया है।

मोबाइल पर ज्यादा समय बिताने से बच्चों की आंखें हो रहीं कमजोर

मऊ। कोरोना संक्रमण काल के बाद से मोबाइल का चलन बढ़ गया है। इसके पीछे ऑनलाइन क्लास, कोचिंग के साथ मौबाइ पर बढ़ा स्क्रीन टाइम है, जो अब युवाओं के साथ बच्चों की आंखें को कमजोर कर रहा है। स्थिति यह है कि नेत्र चिकित्सकों के यहां पहुंचने वाले दस मरीजों में दो से तीन मरीज मायोपिया नाम की बीमारी मिल रही है। डाक्टरों का कहना है कि ऑनलाइन स्टडी के कारण बच्चों को फोन की ऐसी लत लगी है कि उन्होंने आउटडोर एक्टिविटी करीब बंद 0कर दी है। इसका उनकी आंखों पर दिख रहा है। डॉक्टर बताते हैं कि मोवाइल अधिक देर तक और पास से देखने के कारण करीब 60 प्रतिशत तक बच्चों में मायोपिया और एस्टिगमैटिज्म की समस्या है। जिला अस्पताल के नेत्र सर्जन डॉ. बीपी सिन्हा ने बताया कि उनके यहां पहुंचने वाले दस मरीजों में दो मरीज मायोपिया बीमार से ग्रसित है, जो कि 18 वर्ष से कम हैं। मायोपिया आंखों से संबंधित बीमारी है, जिसमें रोगी की आंख की आई वॉल का आकार बढ़ जाता है। इससे दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। ओपीडी में आने वाले परिजनों की एक ही शिकायत होती है कि वच्चा स्कूल से आने के वाद तुरंत फोन लेकर बैठ जाता है। बताया कि इस समस्या को देखते ही रूल आफ 20 का प्रयोग डाक्टरों द्वारा किया जा रहा है। इसके तहत बीस मिनट मोबाइल चलाने के बाद बीस सेकेंड का ब्रेक, बीस फीट की दूरी देखना है। जिससे मोबाइल से होनी बीमारी से काफी हद तक बचाव सकता है। वहीं निजी चिकित्सक डॉ. एनके सिंह ने बताया कि एस्टिगमैटिज्म (दृष्टिवैषम्य) एक प्रकार का अपवर्तक त्रुटि है जो किसी व्यक्ति के कॉर्निया के आकार में अनियमितताओं के कारण होता है। इस स्थिति में, आंख के रेटिना पर रोशनी को समान रूप से केंद्रित करने में विफल हो जाती है जिससे धुंधलापन या विकृत दृष्टि पैदा होती है । यह जन्म के समय मौजूद हो सकता है या जीवन में धीरे–धीरे विकसित हो सकता है। इसके कुछ लक्षण हैं जैसे आंखों में खिंचाव होना, सिर दर्द होना, खारिश महसूस करना और आंखों में जलन का होना। बताया कि एस्टिगमैटिज्म आमतौर पर कॉर्निया के अनियमित आकार के कारण होता है ।

बेकाबू कार पहले ट्रक में टकराई, फिर ठेले में मारी टक्कर, चार घायल

घोसी। घोसी कोतवाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास बुधवार की रात कार अनियंत्रित होकर ट्रक में टक्कर मारते हुए सड़क किनारे खड़े ठेले में जा भिड़ी। हादसे में कार में बैठे चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया । बुधवार की रात 11 बजे तेज रफ्तार कार दोहरीघाट की तरफ से आ रही थी। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट कार अनियंत्रित होकर पहले ट्रक में टक्कर मारते हुए सड़क किनारे खड़े ठेले में जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं कार में बैठे दोहरीघाट थाना क्षेत्र के नई बाजार निवासीगण दिलीप व धर्मेंद्र सोनकर, दोहरीघाट थाना क्षेत्र के गोठा निवासीगण अमन सिंह और शिवम गुप्ता गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों की चीख पुकार सुनकर घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने घायलों को पुलिस की मदद से काफी मशक्कत के बाद कार से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चारों घायलों का प्राथमिक उपचार करने के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घोसी। जिस तरह से बेकाबू कार पहले खड़े ट्रक से जा टकराई, उसके बाद ठेले से टकराने के बाद भी दस फीट दूर तक कार गई। हादसे के समय कार की कितनी तेज होगी कि ट्रक का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त होने के साथ ठेला भी बुरी तरह से तहस नहस हो गया। वहीं कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, गनीमत रहा कि हादसा रात में उस समय हुआ जब सड़क वीरान थी, अगर यह हादसा दिन में होता था बड़ी घटना की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।बताते चले कि बीते बुधवार को मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के रेलवे स्टेशन के पास भी बेकाबू स्कापियो गार्डर से टकरा गई थी। कार की टक्कर से गार्डर भी टेढ़ा हो गया था, यह घटना भी बीती रात हुई थी, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। लेकिन यह दो घटनाए बेकाबू गति के चलते हो रहे हादसों का ज्वलंत उदाहरण है, बावजूद रात के समय वाहन चालक खासतौर पर चार पहिया वाहन चालकों द्वारा गति पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

पटाखे के अवैध कारोबार पर पुलिस करेगी प्रहार

पीडीडीयू नगर। जिले में अवैध पटाखों का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है। पुलिस घनी आबादी के बीच अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर चुकी है। बरेली में हुए ब्लॉस्ट के बाद एसपी ने सभी क्षेत्राधिकारियों को विशेष जांच अभियान चलाकर पटाखे का अवैध कारोबार करने वालों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। दीपावली नजदीक आते ही पटाखों के अवैध भंडारण का खेल शुरू हो गया है। इसके अलावा अवैध रूप से पटाखों का निर्माण भी किया जा रहा है। अवैध पटाखों के मामले में जिले में भी कई मामले सामने आ चुके है। 20 मार्च 2018 को मुगलसराय कोतवाली पुलिस ने मढ़िया गांव से अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए 60 किलोग्राम बारूद, 30 किलोग्राम गंधक पाउडर, 130 सुतली बम, आठ किलोग्राम लोहे व पांच किलोग्राम एल्युमिनियम का बुरादा सहित बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किये थे।

सांप के डसने से किशोर समेत चार लोगों की मौत

पीडीडीयू नगर। जिले के अलग–अलग गांवों में सांप के डसने से चार लोगों की मौत हो गई। धानापुर क्षेत्र में किशोर और बच्ची की सर्पदंश से जान गई। वहीं, सकलडीहा थाना क्षेत्र में खेत में घास काटते समय महिला की सांप के डसने से मौत हो गई। इसी थाना क्षेत्र के एक गांव में रात में सोते समय सांप के डसने से एक महिला की मौत हो गई। धानापुर क्षेत्र के हिंगुतरगढ़ (मड़ईपर) गांव निवासी मनोज यादव का पुत्र आयुष यादव (14) बुधवार की रात खाना लेने के लिए किचन में गया, जहां सांप ने उसे डस लिया। परिजन उसे लेकर डेढावल स्थित निजी अस्पताल में पहुंचे, जहां से डॉक्टर ने रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसी तरह बुद्धपुर (नौघरा) गांव में परमहंस यादव की नौ साल की बेटी राधा को सांप ने डस लिया। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, सकलडीहा थाना क्षेत्र के खोर गांव निवासी विश्वकर्मा राय की पत्नी शशिकला (42) बृहस्पतिवार को खेत में घास काट रही थी। इसी बीच सांप के डसने से वह बेहोश हो गई। परिजन उसे वाराणसी ले गए, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इसी तरह सकलडीहा थाना क्षेत्र के नोनार गांव में बुधवार की रात सोते समय एक महिला को सर्पदंश से जान चली गई। सोनभद्र के अनपरा निवासी प्रमोद कुमार की पत्नी ज्योति मौर्या (35) अपने 10 साल के बेटे अंश के साथ सकलडीहा क्षेत्र के नोनार गांव में अपने फूफा धर्मेंद्र मौर्या के घर आई थी। रात में वह अपने बेटे के साथ कमरे में सो रही थी। इसी बीच सांप ने उसके हाथ में डस लिया। परिवार के लोग उसे झाड़ फूंक कराने ले गए, जहां ज्योति की हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सहित तीन कार्यकर्ताओं को निकाला, एक को चेतावनी

मऊ। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक बृहस्पतिवार को बुनकर कालोनी स्थित पार्टी के कार्यालय पर जिलाध्यक्ष इंतेखाब आलम की मौजूदगी में हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष ने बीते दिनों राजीव गांधी महिला स्नातकोत्तर विद्यालय में हुई अनुशासन हीनता का संज्ञान लेते हुए केंद्रीय नेतृत्व के आदेश पर कठोर कार्रवाई की।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

प्रयागराज

प्रयागराज,शनिवार 05 अक्टूबर 2024

बीओबी की प्रबंधक कृतिका लाल बनी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण अभियान मिशन शक्ति के तहत उत्तर प्रदेश बैंक ऑफ बड़ौदा इम्प्लॉइज यूनियन प्रयागराज इकाई के

कोर कमेटी की बैठक सिविल लाइंस स्थित एक होटल में आज हुई। जिसकी अध्यक्षता उप महामंत्री सुनील कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर सुनील कुमार सिंह ने यूनियन में महिलाओं की ज्यादा भागीदारी बढ़ाने की बात की जिससे बैंक में महिला कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान सुचारू रूप से हो सके। इसी क्रम में क्षेत्रीय सचिव मनीष त्रिपाठी ने सिविल लाइंस के आरसीडी शाखा बैंक आफ बड़ौदा की प्रबंधक कृतिका लाल के नाम को जिलाध्यक्ष नारी शक्ति पद के लिए प्रस्तावित किया जिसका सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रादेशिक अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव एवं प्रादेशिक महामंत्री करुणेश शुक्ला ने कृतिका लाल को बधाई दी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कृतिका लाल ने संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया एवं संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की बात कही। इस अवसर पर प्रभंजन प्रसाद क्षेत्रीय सचिव एनसीबीइ, विक्रम सिंह क्षेत्रीय सचिव, संजय कुमार क्षेत्रीय संगठन मंत्री अमित, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कोषाध यक्ष आनंद सिंह प्रफुल्ल गुप्ता विनीत आदि ने कृतिका लाल को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि कृतिका लाल सिविल लाइंस स्थित आरसीडी शाखा की बैक प्रबंधक है।

LDC इंटरैक्ट क्लब के छात्रों ने वृद्धाश्रम का भ्रमण किया।

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन के तत्वाधान में स्क्ब इंटरैक्ट

क्लब के छात्रों ने शुक्रवार ४ अक्टूबर को वृद्धाश्रम का दौरा किया जहाँ उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताया और समानुभूति के महत्व को समझने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करना था। प्रधानाचार्य गीता अरोड़ा, निदेशक पूजा गुप्ता, क्लब अध्यक्ष राधा सक्सेना सचिव नीरज चूग मधु अग्रवाल रहे।

व्हीलचेयर दान किया

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन ने महिला व्यापार मण्डल के साथ गुरुवार तीन अक्टूबर को नैनी जेल कैदियों की सहायता के लिए व्हीलचेयर दान की। क्लब अध्यक्षा राधा सक्सेना, कार्यकारी सचिव मधु अग्रवाल, अवंतिका टंडन , पल्लवी अरोड़ा रही।

इविविः प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व के छात्र ने ग्रामीण अंचल का भ्रमण किया।

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने प्फ।ह के तत्वावधान में प्रो. हर्ष कुमार के नेतृत्व में 27 सितंबर और 4 अक्टूबर 2024 को ग्राम चौबारा (होलागढ़, प्रयागराज) में दो दिवसीय

आउटरीच गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया है। पहले दिन का उपक्रम 27 सितंबर को डॉ रमा कांत, डॉ अमित सिंह, डॉ रीमा कुमारी और डॉ गार्गी चटर्जी की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें विभाग के पीएचडी और पोस्ट ग्रेजुएट कार्यक्रम के 40 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। पहले दिन के कार्यक्रम में छात्रों द्वारा स्वच्छता, सामुदायिक स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, संसाधन और ऊर्जा प्रबंधन आदि के बारे में जागरूकता मार्च–पास्ट, पोस्टर का प्रदर्शन और गाँव में घर–घर जाकर पर्चे बाँटना शामिल था और अंततः डॉ रमा कांत द्वारा ग्राम चौबारा के पंचायत कार्यालय में ग्राम–प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी और ग्रामीणों की उपस्थिति में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने वाली एक छोटी सी बातचीत के साथ इसका समापन हुआ। प्रोफेसर हर्ष कुमार, डॉ. संजय कुशवाह, डॉ. सर्वेश सिंह कार्यक्रम मे मौजूद रहे। दूसरे दिन दिनांक 4 अक्टूबर, 2024 को डॉ. जितेन्द्र सिंह नौलखा, डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. अमित सिंह एवं डॉ. रीमा कुमारी की देखरेख में 40 छात्र–छात्राएं प्रतिभाग कर रहे थे, जिन्हें ग्रामीणों द्वारा पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन एवं परिवार नियोजन के संबंध में जानकारी दी गई।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः- 21-विद्युत/सा./प्रयागराज/24-25 दिनांक 01.10.2024

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज** निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांकः 25.10.2024 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं, निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्र.सं.1.	निविदा सूचना सं.: ELG-44-2425	काम की लागतः ₹6742964.18
	बिड सिक्योरिटीः ₹134900.00	कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह

कार्य का नामः टीडीएल-एफजेडडी सेक्शन में लिफ्ट का प्रावधान। (चरण-I)। पीआरवाईजे-सीएनबी सेक्शन में लिफ्ट का प्रावधान। (चरण-I)। सीएनबी-ईटीडब्लू सेक्शन में लिफ्ट का प्रावधान। (चरण-I)। प्रयागराज डिवीजन के सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर लिफ्ट का प्रावधान। जीएम एनसीआर ऑफिस कॉम्प्लेक्स सूबेदारगंज में 04 लिफ्ट का प्रावधान। पुराने जीएम बिल्डिंग/सीपीआरओ ऑफिस पीआरवाईजे में 02 लिफ्ट का प्रावधान। (प्रयागराज डिवीजन में अमृत भारत और अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों के लिए लिफ्ट का प्रावधान। "डीईआर स्टेशन और एनटीपीसी/डीईआर के बीच एलसी गेटों की मैनिंग" के संबंध में विद्युत कार्य।

क्र.सं.2.	निविदा सूचना सं.: ELG-45-2425	काम की लागतः ₹26153205.63
	बिड सिक्योरिटीः ₹280800.00	कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह

कार्य का नामः "भरवारी (बीआरई) स्टेशन पर 20 बिस्तरों वाले नए आरपीएफ बैरक और सूबेदारगंज (एसएफजी) स्टेशन पर आरपीएफ थाने का प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य। एसएंडटी उपकरणों के जीवन को बढ़ाने और सुचारू संचालन के लिए वीडीयू रूम/एसएम चैंबर में एयर कंडीशनर का प्रावधान। "ट्रेन संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए 14 वे साइड स्टेशनों पर पुरुष और महिलाओं के लिए सामान्य विश्राम कक्ष का प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य। रूमा स्टेशन प्राग-सीएनबी सेक्शन में नए स्टेशन भवन के निर्माण से संबंधित विद्युत कार्य।

उपरोक्त दोनों निविदाओं हेतु निविदा खुलने की तिथिः 25.10.2024, समयः 15.00 बजे।

नोटः उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15.00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 1743/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

त्रिलोचन की कविता में ऐसी संस्कृतनिष्ठ शब्दाबली आती है कि संस्कृत के पंडित चकरा जाएं।

प्रयागराज। रामस्वरूप चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत नवां व्याख्यान श्परम्परा, आधुनिकता और त्रिलोचन का काव्यश नामक विषय पर हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के धीरेन्द्र वर्मा शताब्दी सभागार में दिनांक 4 अक्टूबर 2024 को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध कवि एवं प्रख्यात आचार्य राधाबल्लभ त्रिपाठी जी थे। अतिथियों की स्वागत परंपरा के बाद स्वागत वक्तव्य प्रो. लालसा यादव जी ने दिया। उन्होंने कहा कि षराधाबल्लभ त्रिपाठी ने इस व्याख्यान के लिए हमारा आग्रह स्वीकार कर इस श्रृंखला का मान बढ़ाया है।ष संयोजकीय वक्तव्य देते हुए डॉ. महेंद्र प्रसाद कुशवाहा जी ने कहा कि इस समिति का यह 9वां व्याख्यान आज इस स्वरूप को प्राप्त हुआ है तो इसमें रामस्वरूप जी के प्रति आप सबका प्रेम है। विशिष्ट वक्ता के रूप में हिंदी विभाग के आचार्य कुमार वीरेंद्र ने व्याख्यान श्रृंखला के महत्व से अपनी बातचीत शुरू करते हुए चतुर्वेदी जी के बारे में कहा कि ष्वह एक ऐसे आलोचक रहे हैं जिनके साहित्य में हमें परंपरा और आधुनिकता में लकीर नहीं दिखती।ष दूसरे विशिष्ट वक्ता के रूप में रामस्वरूप चतुर्वेदी जी के सुपुत्र और वर्ल्ड बैंक, वाशिंगटन में पूर्व आर्थिक सलाहकार डॉ. विनय स्वरूप जी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपनी बात रखते हुए कहा कि ष्आज हम तकनीकी के माध्यम से किसी भी साहित्यकार या व्यक्ति के कार्य को जान सकते हैं।ष तृतीय विशिष्ट वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध इतिहासकार एवं उपन्यासकार हेरंब चतुर्वेदी जी ने कहा अपने वक्तव्य में कहा कि रामस्वरूप जी के हिंदी विद्वानों पर किए गए कार्य के साथ उनके पाश्चत्य साहित्य पर किए गए काम को भी देखना चाहिए। उन्होंने रामस्वरूप चतुर्वेदी के कार्य को रेखांकित करते हुए उत्तरछायावाद में इलाहाबाद की भूमिका को भी रेखांकित किया।चौथे विशिष्ट वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध कवि एवं आलोचक प्रो. अनूप कुमार जी ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि ष्चतुर्वेदी जी अपने विद्यार्थियों के साथ इतने सहज थे कि उन्होंने अपनी प्रतिभा से कभी किसी को आच्छादित करने की कोशिश नहीं की । विचारधाराप्रधान

आलोचना से उनकी असहमति थी।ष मुख्त वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध कवि एवं प्रख्यात आचार्य प्रो. राधाबल्लभ त्रिपाठी ने व्याख्यान के मुख्य विषय त्रिलोचन और उनकी कविता के बारे में अपनी बातचीत शुरू करते हुए कहा कि षत्रिलोचन जी से मैंने बहुत कुछ पाया।ष त्रिलोचन हिन्दी के सबसे निर्भीक कवियों में से एक हैं। उनकी कविता हमें निर्भीक करती है। अपने सानेटों के माध्यम से उन्होंने सत्ता पर तीखे व्यंग्य किए। भाषा पर त्रिलोचन की गहरी चिंता है। उन्होंने त्रिलोचन के काव्य का संस्कृत परंपरा से संबंध जोड़ते हुए बताया कि त्रिलोचन रामायण, महाभारत और वेदों तक जाते हैं। वे कालिदास से अपने गाँव–गिराँव और देशकाल से जोड़कर नया कर देते हैं– जैसे उनकी कविता श्उषाश को देखिये। त्रिलोचन की कविता में ऐसी संस्कृतनिष्ठ शब्दाबली आती है कि संस्कृत के पंडित चकरा जाएं। इस मामले में वे हिंदी कवि प्रसाद से जुड़ते हैं। उनकी कविता औघड़ की कविता है। त्रिलोचन की एक प्रेम कविता से वे अपनी बात समाप्त करते हुए कहते हैं कि वे प्रेम की अनन्यता के भी कवि हैं। इस प्रकार त्रिलोचन के काव्य में परंपरा नहीं परंपराएं हैं।ष अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए सुप्रसिद्ध कवि–आलोचक एवं संपादक प्रो.राजेंद्र कुमार ने कहा कि षराधाबल्लभ जी ऐसे संस्कृत व्यक्तित्व हैं जो परंपरा को सीमित नहीं करते और न ही उसे धर्मग्रंथों तक बांधते हैं। उन्होंने कहा कि रामस्वरूप चतुर्वेदी जी में भी परंपरा और आधुनिकता के विकास की पर्याप्त जगह हैं। संभवतरू शविकासश शब्द इसी का द्योतक है। त्रिलोचन कहते हैं कि श्तुलसी बाबा भाषा मैंने तुमसे सीखीश तब वे केवल भाषा की नहीं बल्कि पूरी परंपरा के प्रवाह की बात करते हैं क्योंकि भाषा से ज्यादा प्रवाहमान चीज कुछ नहीं होती। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर आशुतोष पार्थेश्वर जी ने किया और संयोजकीय वक्तव्य डॉ. महेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने दिया।धन्यवाद ज्ञापन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रोफेसर भूरेलाल ने किया।कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के आचार्यों सहित काशी हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य,विद्यार्थी और शोधार्थी मौजूद रहे। प्रमुख रूप से डॉ दीनानाथ मौर्य,डॉ सूर्यनारायण, प्रो संतोष भदौरिया,डॉ राकेश सिंह,डॉ लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता,डॉ विध्याचल यादव,डॉ अमरजीत राम,प्रो आदेश कुमार,प्रो कृपाशंकर पांडेय, डॉ आशुतोष कुमार सिंह,प्रो अनिल प्रताप गिरी,कविता कादंबरी, डॉ विनम्र सेन सिंह,प्रो बृजेश पांडेय,प्रो मानेन्द्र प्रताप सिंह,डॉ मुकेश , हितेश कुमार सिंहआनंद मालवीय,प्रो रचना आनंद गौड़,आकांक्षा, शिवम,आर्यपुत्र दीपक,शुभी पांडेय, संकटमोचन आर्य,अवनीश यादव,मारुति मानव, ज्ञानेंद्र द्विवेदी,अनुपम शुक्ला,विप्लव, शिवनारायण ,रोशनी,दीक्षा रहे।

लबे समय तक चला संबंध दुष्कर्म नहीं, कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमा किया रद्द

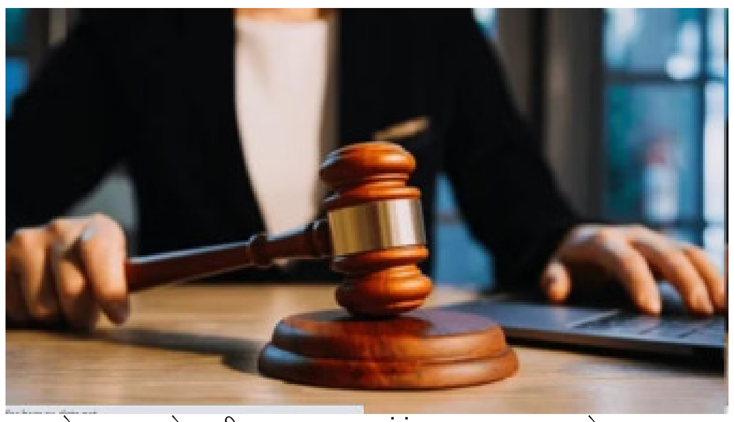

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में दुष्कर्म और जबरन वसूली के आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। कहा कि 12 साल से अधिक समय तक सहमति से चलने वाले संबंध ा को केवल शादी करने के वादे के उल्लंघन के आधार पर दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने दुष्कर्म व जबरन वसूली की धाराओं में दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही की रद्द कर दी। न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने यह निर्णय श्रेय गुप्ता की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा आरोप लगाने वाली पीड़िता विवाहित महिला है और उसके दो बड़े बच्चे थे। उसका पति भी जीवित था। उसने अपने पति की गंभीर बीमारी के कारण आवेदक के प्रति आकर्षित हो गई। लंबे समय तक वह आवेदक के साथ संबंध में रही। जबकि, उसे पता था कि पति के रहते वह आवेदक से शादी नहीं कर सकती। पीड़िता का यह आरोप कि आवेदक ने उसके पति की मृत्यु के बाद उससे शादी का वादा कर संबंध बनाया था। यह बेकार का बहाना है। कानून की नजर में यह कोई वादा नहीं था। पीड़िता परिपक्व महिला है और उसने जानबूझकर इस तरह के रिश्ते में प्रवेश किया। मुरादाबाद के महिला थाना में पीड़िता ने 2018 में श्रेय गुप्ता पर दुष्कर्म व जबरन वसूली की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आवेदक ने उसके पति के गंभीर रूप से बीमार होने के दौरान उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया और पति की मृत्यु के बाद उससे शादी का वादा किया था। पीड़िता के अनुसार पति के गुजर जाने के बाद भी यह रिश्ता जारी रहा। बाद में याची ने 2017 में दूसरी महिला से सगाई कर ली। ट्रायल कोर्ट ने चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए समन आदेश जारी किया था। इसे आवेदक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। दाखिल आरोप पत्र को रद्द करने की मांग की थी।

जीआईसी में शिक्षक भर्ती के लिए समकक्ष अर्हता हटी, जल्द शुरू होगी शिक्षक भर्ती

प्रयागराज। राजकीय इंटर कॉलेजों में सहायक अध्यापक और प्रवक्ता भर्ती के लिए समकक्ष अर्हता का विवाद सुलझ गया है। अब अर्हता से समकक्षता हटा दी गई है। शिक्षा निदेशालय ने अर्हता विवाद को सुलझाते हुए उसे स्वीकृति के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को भेज दिया है। स्वीकृति होने के बाद शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। राजकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक और प्रवक्ता के करीब सात हजार पद रिक्त हैं। इन पदों पर भर्ती के लिए शिक्षा निदेशालय से यूपीपीएससी को अधियाचन भेजा गया था। यूपीपीएससी ने शिक्षा निदेशालय को शिक्षक की समकक्ष अर्हता स्पष्ट करने को कहा था। समकक्ष अर्हता को लेकर कई बार विवाद हो चुका था। ऐसे

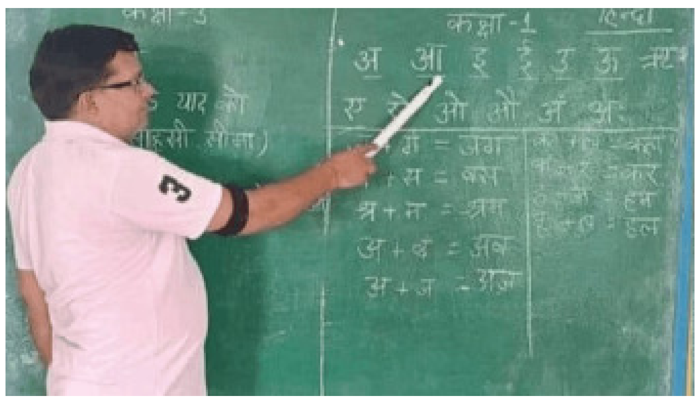

मामले हाईकोर्ट तक पहुंच चुके थे। पदों के सापेक्ष अर्हता का निर्धारण विभाग करता है। भर्ती के बाद अर्हता का विवाद कोर्ट गया तो आयोग को जवाब देना मुश्किल हो जाता था। इसलिए आयोग ने 2021 में हुई भर्ती के बाद से आए अधियाचन को लौटा दिया। उसके बाद से यह मामला शासन और शिक्षा निदेशालय के बीच लंबित था। इस मामले को लेकर कई दौर की बैठक हुई। उसके बाद शिक्षकों की भर्ती के लिए निर्धारित अर्हता से समकक्ष शब्द ही हटा दिया गया है। अपर निदेशक राजकीय अजय द्विवेदी ने बताया कि विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयों की डिग्री शिक्षक भर्ती के लिए मान्य होगी। इसके अलावा विषय वार पद के लिए अर्हता स्पष्ट रहेगी। उन्होंने बताया कि अब पद के सापेक्ष अर्हता स्पष्ट कर दी गई है। इसलिए विवाद नहीं होगा। अर्हता से समकक्षता हटा दिया गया है और यूपीपीएससी से उसकी स्वीकृति का इंतजार है। स्वीकृति मिलने के बाद अधियाचन भेज दिया जाएगा।

जनपद विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता संपन्न

प्रयागराज। जनपद विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता केपी इंटर कॉलेज तथा जगत तारन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज के संयुक्त संयोजकत्व में केपी इंटर कॉलेज में प्रतियोगिता का आयोजन आज किया गया। मुख्य अतिथि केपी इण्टर कालेज के उपाध्यक्ष प्रशासन दिलीप श्रीवास्तव थे जबकि कार्यक्रम

की अध्यक्षता उपाध्यक्ष वित्त बीपी सक्सेना ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रतियोगिता के संयोजक केपी इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ योगेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद डॉ नंदिनी तिवारी प्रधानाचार्य जगत तारन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज ने किया। कार्यक्रम का संचालन उमेश खरे ने किया । उद्घाटन समारोह में जगत तारन गर्ल्स इंटरमीडिएट की छात्राओं ने मनमोहक नृत्य एवं देशभक्ति गीत पर तैयार नृत्य केपी इंटर कॉलेज की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में सभी तहसीलों की टीमों ने प्रतिभा किया। प्रतियोगिता में बालिका अंडर– 14 वर्ष में बेसिक की टीम ने नगर दक्षिण को 15ध13 एवं 15ध 10 से पराजित किया। बालिका अण्डर –17 वर्ष नगर उत्तर ने तहसील बारा को 15ध 8, 15 ध 10 से पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। अंडर– 19 बालिका फूलपुर तहसील में बारा तहसील को 15 ध11 ,15 ध8 से पराजित किया। बालक वर्ग में अंडर– 14 वर्ष में फूलपुर तहसील ने करछना तहसील को 15 ध 13 और 15 ध 9 से पराजित किया। अंडर– 17 वर्ष बालक में हंडिया तहसील ने सोरांव तहसील को 15 ध 8 एवं 15 ध 11 से पराजित किया। अंडर– 19 बालक वर्ग में करछना तहसील ने नगर उत्तर संभाग को कड़े मुकाबले में 15 ध13 ,15 ध12 से पराजित कर प्रतियोगिता जीत लिया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में शैलेंद्र पांडे, बुलंद राय बृजेश राकेश ,नितिन पटेल सनी पांडे, अश्वनी यादव, राकेश श्रीवास्तव, ओम प्रकाश सिंह, बृजेश कुमार नीतू , अलका, निकिता, विमलेश और हरिलाल का सहयोग रहा।

प्रांतीय गणित मेला एवं सांस्कृतिक महोत्सव में ज्वाला देवी का परचम

प्रयागराज। सिविल लाइन्स स्थित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर

इंटर कॉलेज में झारखंड सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज कादीपुर सुलतानपुर में चल रहे तीन दिवसीय (दिनांक 2.10.2024 से 4 –10– 2024 तक)प्रांतीय गणित मेला एवं सांस्कृतिक महोत्सव में ज्वाला देवी ने परचम लहराया। इस प्रांतीय प्रतियोगिता में पूरे प्रांत के 100 विद्यालयों के लगभग 500 भैया बहनों ने प्रतिभाग किया जिसमें ज्वाला देवी सिविल लाइंस के कुल 37 भैया बहनों ने प्रतिभाग किया।इस प्रतियोगिता में 12 भैया बहनों ने स्वर्ण, 21 भैया बहनों ने रजत पदक तथा 3 भैया बहनों ने कांस्य पदक प्राप्त किया। क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ राम मनोहर जी पूर्वी उत्तर प्रदेश काशी प्रांत के प्रदेश निरीक्षाक माननीय शेषधर द्विवेदी तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य आदरणीय विक्रम बहादुर सिंह परिहार मीडिया प्रभारी सरोज दुबे ने छात्रो को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

खेल छात्रावास म्योहाल चौंपियन बना

प्रयागराज। जिला वालीबॉल संघ तत्वाधान में देव एकेडमी और आल्ट्राटेक सीमेंट के सौजन्य से ,28ध9ध24 से 29ध9ध24 तक देव स्पोर्ट्स पब्लिक स्कूल बसवार (अटल बिहारी वाजपेई नगर)

में आयोजित मानसून वॉलीवॉल टूर्नामेंट के फाईनल मैच में खेल छात्रावास मयोहाल ने देव स्पोर्ट्स अकादमी बसवार,नैनी को एक संघर्ष पूर्ण मुकाबले में हराकर विजेता ट्राफी पर अपना कब्जा जमा लिया। इससे पूर्व दो दिनों तक चले इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमों ने भाग लिया था। फाइनल मैच से पूर्व पी आर सी प्रयागराज और म्योहाल के मध्य तथा देव स्पोर्ट्स अकादमी नैनी और पुलिस लाईन प्रयागराज के मध्य सेमी फाइनल मुकाबला खेला गया था। मुख्य अतिथि सांसद प्रयागराज कुंवर उज्ज्वल रमण सिंह ने विजेता तथा उप विजेता टीम को ष्कपष प्रदान कर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि हार जीत खेल का एक अंग है।हारने वाली टीम को पुनः अपने गलतियों का सुधार कर आगे जितने का प्रयास करना चाहिए,तथा जीतने वाली टीम को अहंकार न कर अपने प्रदर्शन को निरंतर अच्छा बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए ।इसी क्रम में उन्होंने वहां उपस्थित भारी जन समूह को संबोधित करते हुए आश्वाशन दिया कि खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स कोटा में नौकरी के लिए सड़क से लेकर संसद तक वो आवाज उठाते रहेंगे।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062